1.4.1

पाठ्यक्रम से संबंधित शिक्षकों के फीडबैक से प्राप्त निष्कर्ष

प्रोग्राम का नाम– बी.ए. / बी.एस.सी. / बी.कॉम. / एम.ए. / एम.एस.सी. / एम.कॉम. / बी.सी.ए. / पी.जी.डी.सी.ए.

सत्र–2020–21

पाठ्यक्रम से संबंधित शिक्षकों से प्राप्त फीडबैक के निष्कर्ष बिन्दुवार निम्नानुसार हैं–

1. विश्वविद्यालय द्वारा संचालित पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को स्वाध्याय हेतु प्रेरित करता है इस बिन्दु को शिक्षकों ने सर्वोच्च प्राथमिकता दी।
2. विश्वविद्यालय द्वारा संचालित पाठ्यक्रम को शिक्षकों ने छात्रों के बौद्धिक आवश्यकताओं के अनुरूप माना एवं पाठ्यक्रम यूजीसी / सीएसआईआर नेट के पाठ्यक्रम से सम्बद्धता रखने की बात कही। इन बिन्दुओं को उन्होंने क्रमशः द्वितीय एवं तृतीय क्रम में रखा।
3. विद्यार्थियों की समर्थता पहचानने में मूल्यांकन प्रक्रिया को शिक्षकों ने सक्षम माना साथ ही पाठ्यक्रम मे शोध / परियोजना से संबंधित अवसर छात्रों के लिए उपलब्ध है एवं पाठ्यक्रम में सैद्धांतिक एवं प्रायोगिक ज्ञान का सही संकलन है। इन बिन्दुओं को उन्होंने क्रमशः चौथे, पाँचवें एवं छठे क्रम में रखा।
4. अगले क्रम में शिक्षकों ने क्रमशः पाठ्यक्रम में आवश्यक सुधार की बात की। पाठ्यक्रम में कौशल विकास पर फोकस किये जाने पर शिक्षकों ने बल दिया एवं पाठ्यक्रम में विषयवस्तु का संयोजन उन्होंने सामान्य से जटिल की ओर माना है।
5. पाठ्यक्रम संबंधी शिक्षकों के द्वारा दिये गये सुझावों में कौशल विकास, परियोजना एवं शोधकार्य पर और अधिक जोर दिये जाने की बात कही गई है। छात्रों के फील्ड वर्क को प्राथमिकता दी जाये एवं उन्हें स्थानीय विषयवस्तु से परिचय के पर्याप्त अवसर उपलब्ध कराये जायें।

PRINCIPAL
Govt. Vivekanand P.G. College
Manendragarh, Distt - Kora (C.G.)

पाठ्यक्रम *से संबंधित शिक्षकों से प्राप्त फीडबैक का विश्लेषण*

(सत्र् 2019–20 के परिप्रेक्ष्य में)

नैक मूल्यांकन अन्तर्गत शासकीय विवेकानंद स्नातकोत्तर महाविद्यालय मनेन्द्रगढ़ जिला कोरिया छ.ग. में कार्यरत 21 सहायक प्राध्यापक एवं अतिथि व्याख्याताओं से फीडबैक प्राप्त किया गया जो कि पाठ्यक्रम से संबंधित है। अनेक बिन्दुओं पर आधारित कुल दस प्रश्न दिये गये जिसमें जो उत्तर प्राप्त किये गये वह विविधपूर्ण रहे हैं। क्या पाठ्यक्रम स्वाध्याय अध्ययन, मनन, चिंतन की ओर विद्यार्थियों को अग्रसर करता है, इस पर सर्वाधिक लोगों ने लगभग एकराय व्यक्त किया। सबसे कम अंक इस तथ्य पर मिले कि पाठ्यक्रम सामान्य से जटिल की ओर है। पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को बौद्धिक बनाता है, शिक्षकों ने स्वीकारा है। सुझाव मांगे जाने पर जहां विषयवस्तु के क्रमिक चयन किये जाने,स्वरोजगार मूलक पाठ्यक्रम बने,साहित्यिक वातावरण निर्माण करने, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के नेट सेट परीक्षा को व्यापक करने जैसे सुझाव दिये गये जो कि महत्वपूर्ण है।

PRINCIPAL
Govt. Vivekanand P.G. College
Manendragarh, Distt.-Kora (C.G.)

पाठ्यकम से संबंधित शिक्षकों से प्राप्त फीडबैक का विश्लेषण

(सत्र् 2018–19 के परिप्रेक्ष्य में)

महाविद्यालयीन सहायक प्राध्यापकों एवं अतिथि व्याख्याताओं से प्रश्नावली के माध्यम से पाठ्यकम से संबंधित फीडबैक लिया गया। विविध प्रकार के 10 प्रश्नों के द्वारा उत्तर जानने पर यह निष्कर्ष आया कि पाठ्यकम में सुधार की आवश्यकता है। पाठ्यकम में विषयवस्तु का कम सामान्य से जटिल है इस प्रश्न पर सर्वाधिक असहमति रही । विद्यार्थियों के सामर्थ्य योग्यता को पहचानने में मूल्यांकन प्रकिया सक्षम है , इस तथ्य को भी अधिकाधिक शिक्षकों ने स्वीकारा है। स्वाध्याय अध्ययन की प्रेरणा पाठ्यकम से प्राप्त होती है इस पर भी सहमति बनी है। कौशल विकास पर अधिकाधिक जोर देने, फील्ड भ्रमण कर वास्तविक ज्ञान प्राप्त करने का अवसर देने, साहित्यिक, सांस्कृतिक, पर्यावरण एवं अन्य सामाजिक क्षेत्रों में सकिय व स्थापित स्थानीय स्वनामधन्य व्यक्तित्वों के साक्षात्कार की प्रकिया अपनाने जैसे महती सुझाव भी प्राप्त हुए हैं जो कि सम्यक और समुचित है।

PRINCIPAL
Govt. Vivekanand P.G. College
Manendragarh, Distt.-Kora (C.G.)